हर दिन जीवन में लाता है इक नया इम्तिहान
होते हैं हम सब जिससे बिलकुल ही अनजान
हम सबकी सहन शक्ति को जांचता है आकर
चला जाता हमें हमारी असली हालत बताकर
कितनी है ताक़त कितना सहन कर सकते हो
इस मरी हुई दुनिया से कितना मर सकते हो
भर लो हिम्मत अपने अंदर चुन लो अपनी राह
वर्ना सदा भरते ही रहोगे मैं क्या करूँ की आह
एक दिन तो मरकर सब कुछ छोड़कर है जाना
क्यूं फिर मर मरकर जीने का खोजते हो बहाना
छोड़ो सारे विनाशी रिश्ते बाबा की और भागो
प्राप्ति की वेला से पहले अज्ञान निद्रा से जागो
परिवर्तन की राह चुनकर बनाओ अपना भाग्य
हर किसी को नहीं मिलता यह परम सौभाग्य
शुक्रिया करो उनका जो बाबा की दिलाए याद
बच गया अपना जीवन मुफ़्त में होने से बर्बाद
ॐ शांति